Total No. of Questions : 5] [Total No. of Printed Pages : 4

(1108)

UG (CBCS) RUSA Ist Semester (Old) Examination

1259

SANSKRIT

(Shiksha Shrimad Bhagwat Gita Tatha Vyakaran)

BASKT–0111/1/2/3

(Compulsory I/II/III Semester)

Time : 3 Hours] [Maximum Marks : 50

नोट :– सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक खण्ड में दिये गये सभी प्रश्नों के भाग एक साथ एक जगह पर कीजिए।

खण्ड-क

1. (क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक** शब्द में लिखिए– 1×10=10

(i) श्रीमद्भगवद्गीता के रचयिता कौन हैं ?

(ii) श्रीमद्भगवद्गीता महाभारत के किस पर्व में वर्णित है ?

(iii) पाणिनीय शिक्षा में स्वर वर्ण कितने हैं ?

(iv) पाणिनीय शिक्षा के अनुसार निषाद और गान्धार किस स्वर में समाहित हैं ?

(v) 'पठ' धातु लृटलकार, प्रथम पुरुष बहुवचन का रूप लिखिए।

(vi) 'युष्मद्' शब्द प्रथमा विभक्ति, बहुवचन का रूप लिखिए।

(vii) 'दृश्' धातु लट्लकार मध्यम पुरुष, एकवचन का रूप लिखिए।

(viii) 'अस्मद्' शब्द षष्ठी विभक्ति, एकवचन का रूप लिखिए।

(ix) 'पच्चीस' गणनावाची संख्या शब्द का संस्कृत रूप लिखिए।

(x) 'बारहवाँ' क्रमवाची संख्या शब्द का संस्कृत रूप लिखिए।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए– 2×4=8

(i) इकतालीस से पचास तक की गणना संस्कृत में लिखिए।

(ii) 'भू' धातु के सभी रूप लङ्लकार में लिखिए।

(iii) पाणिनीय शिक्षा में वर्णित उच्चारण स्थान का निरूपण कीजिए।

(iv) श्रीकृष्ण ने गीता में कर्म के विषय में क्या कहा है ?

खण्ड-ख

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर विस्तार से लिखिए– 1×8=8

(क) (i) 'अस्मद्' शब्द के सभी विभक्तियों में रूप लिखिए।

(ii) 'गम्' धातु के लट्लकार के सभी रूप लिखिए।

अथवा

(ख) (i) 'तद' (पु.) शब्द के सभी रूप लिखिए।

(ii) 'पा' धातु के लङ्लकार के सभी रूप लिखिए।

खण्ड-ग

3. निम्नलिखित पद्यों का हिन्दी में सरलार्थ कीजिए– 1×8=8

(क) (i) स्वरा विंशतिरेकश्व स्पर्शानां पञ्च विंशतिः।
यादयश्व स्मृता ह्ष्टौ चत्वारश्च यमाः स्मृताः॥

(ii) देहिनोऽस्मिन् यथा देहे कौमारं यौवनं जरा।
तथा देहान्तरप्राप्तिर्धीरस्तत्र न मुह्यति॥

अथवा

(ख) (i) मारुतस्तूरसि चरन् मन्द्रं जनयति स्वरम्।
प्रातः सवनयोगं तं छन्दो गायत्रमाश्रितम्॥

(ii) वासांसि जीर्णानि यथा विहाय नवानि गृह्णाति नरोऽपराणि।
तथा शरीराणि विहाय जीर्णा-अन्यानि संयाति नवानि देही॥

खण्ड-घ

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए– 1×8=8

(क) (i) पाणिनीय शिक्षा के अनुसार वर्णों का निरूपण कीजिए।

(ii) ''प्रायेण हि नरेन्द्र श्रीः सोत्साहैरेव भुज्यते''-सूक्ति की व्याख्या कीजिए।

अथवा

(ख) (i) श्रीमद्भगवद्गीता में कृष्ण ने अर्जुन को आत्मा के बारे में क्या बतलाया ?

(ii) 'अल्पविद्यो महागर्वी'-सूक्ति की व्याख्या कीजिए।

खण्ड-ङ

5. निम्नलिखित में से किसी **एक** का विस्तृत उत्तर दीजिए– 1×8=8

(क) श्रीमद्भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय की विषयवस्तु का वर्णन कीजिए।

अथवा

(ख) द्वितीय अध्याय के आधार पर शरीर के स्वरूप का निरूपण कीजिए।